

इस अंक में...

- 6 | सही राह और लक्ष्य पाने का संकल्प-प्रगति का अचूक मंत्र
- 8 | समसामयिकी घटना संग्रह
- 10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ
- 19 | आर्थिक घटना संग्रह
 - भारतीय स्टेट बैंक 'हॉल ऑफ शेम' की सूची में शामिल
 - विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट 2016 जारी किया
 - टेक्सटाइल एवं एपेरल सुधार पैकेज-2016
 - पतंजलि योग पीठ उत्तर प्रदेश में ₹ 1000 करोड़ का निवेश करेगी

23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- विश्वभर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-2016 मनाया गया
- जाति और निवास प्रमाण-पत्र के साथ आधार कार्ड जुड़ेगा
- केन्द्र सरकार ने खाद्य पदार्थों में पोटेशियम ब्रोमेट के उपयोग पर रोक लगाई

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- पीएम मोदी की अफगानिस्तान, कतर, स्विट्जरलैंड, अमरीका और मैक्सिको की विदेश यात्रा सम्पन्न
- यूरोपियन यूनियन से अलग हुआ ब्रिटेन, कैमरून ने दिया इस्तीफा

31 खेल खिलाड़ी



- साइना नेहवाल ने दूसरी बार आस्ट्रेलियन ओपन सुपर सीरीज जीती
- रियो ओलम्पिक एवं पैरालम्पिक खेलों का अधिकारिक स्लोगन जारी किया गया
- ईएसपीएन ने विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची जारी की
- शर्मिदा इरंगा संदिग्ध बालिंग एक्शन के कारण निलम्बित हुए

35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

38 विज्ञान समाचार

लेख

- 40 सामयिक लेख-(i) अब बढ़ेंगे पेड़ : सन्दर्भ पौधारोपण निधि विधेयक-2015
- 41 (ii) पर्यावरणीय शिक्षा : आज की आवश्यकता
- 43 सामान्य लेख-रेल विद्युतीकरण की रोचक जानकारी
- 85 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 87 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-76 का परिणाम
- 89 रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

- 45 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2016
- 61 राजस्थान (अलवर) वनरक्षक सीधी भर्ती परीक्षा, 2016
- 64 झारखण्ड एस.एस.सी. (प्रा.) कॉस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2016
- 71 आर.आर.सी. (गुवाहाटी) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
- 76 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा, 2016

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकैनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सकसेस मिरर' की नहीं है.

- सम्पादक : महेन्द्र जैन
- रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
- सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन- 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स- (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

- पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना- 800 004
फोन- 0612-2673340
मो- 09334137572
- कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता- 700 004
फोन- 033-25551510
मो- 07439359515

- हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद-500 044
फोन- 040-66753330
मो- 09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला-नैनीताल- 263 139 (उत्तराखण्ड)
मो- 07060421008

- लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लॉक स्ववायर, कानपुर
टैक्सो स्टैण्ड लेन, मवईया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118
- नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)
फोन- 0712-6564222
मो- 09370877776

- दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844/66

सही राह और लक्ष्य पाने का संकल्प-प्रगति का अचूक मंत्र



नभ में उड़ते पक्षियों को देखकर कितना अद्भुत अहसास होता है. दो पंखों के सन्तुलन से वे कितनी ऊँची उड़ान भर लेते हैं, कितने किलोमीटर की यात्रा कर लेते हैं. एक तो पक्षी उड़ता है दूसरा वह इंसान जिसने अपने लक्ष्य तक पहुँचने का दृढ़ संकल्प कर लिया है. लक्ष्य को पाने के लिए भी दोनों पक्षों का सन्तुलन जरूरी है, यहाँ दो पंख हैं—

!! आन्तरिक दृढ़ता व सम्यक् मार्गदर्शन !!

सही राह और लक्ष्य तक पहुँचने का संकल्प प्रगति का अचूक मंत्र है.

आन्तरिक दृढ़ता (Firm determination) ही व्यक्तित्व को समग्र बनाती है, बिखरी चित् शक्तियों को एकजुट बनाती है, अन्तर की ऊर्जा को प्रकट करती है. जब तक लक्ष्य को पाने का संकल्प दृढ़ न हो, तब तक बाहरी समस्त संसाधन महत्वहीन ही बने रहते हैं. बाह्य साधनों का महत्व व औचित्य आन्तरिक दृढ़ता व संकल्पबद्धता के अनुपात में है. हमारी आत्मशक्ति जब तक सुविधा लालसा व प्रमाद के चक्रव्यूह में नहीं फँसती तब ही हम अपने लक्ष्य के प्रति वफादार हो पाते हैं. लक्ष्य तक पहुँचने का संकल्प करने से पहले 'अनेकान्त विवेक' को अपनाना जरूरी है.

'अनेकान्त विवेक' अर्थात् अनेक आयामों से सोच-समझकर अपने लिए लक्ष्य को चुनना. आपको क्या बनना है ? अपने भीतरी-बाहरी व्यक्तित्व को किस रूप में ढालना है, आपकी आन्तरिक प्रेरणाएं क्या हैं ? आपको किस तरह के सपने आते हैं, आप खुद को किस प्रतिमा (Image) में देखकर उत्साहित व प्रसन्न होते हैं. आपका परिवेश, माहौल, सभ्यता, संस्कृति ये सब आपसे क्या उम्मीद करते हैं, आपके लिए कैसी व्यवस्था जुटा सकते हैं, आपके आदर्शों के खिलाफ तो नहीं बनेंगे ? आप लक्ष्य निर्धारण से पूर्व अनेक अन्तों में अनेक कोणों से (Different-different angles) से सोच लो, किन्तु लक्ष्य निर्धारित कर चुकने के बाद

किसी विकल्प के लिए कोई अवकाश न रखो अन्यथा 'संकल्प-बल' का निर्माण नहीं कर पाओगे. स्वयं को एकमुश्त (Unisoul) नहीं बना पाओगे. स्वयं की शक्तियों के जागरण के बिना इस दुनिया में किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति न कभी सम्भव हुई है, न कभी होगी. जितना ऊँचा लक्ष्य हो उतना ही अधिक संकल्प बल चाहिए ठीक वैसे ही जैसे हवाई जहाज को उड़ने के लिए मोटरसाइकिल की अपेक्षा कितना अधिक ईंधन की आवश्यकता होगी.